श्याम दरबार में तू भाव ना दिखा | By Lalit Suri

श्याम को रिझाना है तो भाव से रिझा
श्याम दरबार में तू भाव ना दिखा
राजे रजवाड़े देखते ही रह गए
प्रेमियों के हाथ बिन भाव ये बिका
ना हीरे और मोतियों के हार से
ना चार छल्ले वाली ऑडी कार से
सांवरा सलोना मेरा रीझता
भोले भाले भक्तों के प्यार से

मीरा ने तो भजन सुनाये थे
नहीं भोग छप्पन जिमाये थे
सुदामा ने भी तंदुल खिलाये थे
सोये भाग अपने जगाये थे
बिन मांगे लोक दो दिए
निभाई यारी खूब अपने यार से
सांवरा सलोना मेरा रीझता
भोले भाले भक्तों के प्यार से

मेवा दुर्योधन का त्याग के
लिए चटकारे थे साग के
प्रीत वाली करूँ पुकार पे
बैल हाँके धन्ना जाट के
खीचड़ ये कर्मा का खा गया
झीने झीने परदे की आड़ से
सांवरा सलोना मेरा रीझता
भोले भाले भक्तों के प्यार से

दिखावा ही दिखावा हुआ चहुँ और
सहकारी बांच रहे देखो चोर
सोलह आने बात सच है ललित
हो सके तो करले थोड़ा गौर
छलिया है श्याम सा ना दूसरा
तू छल नहीं करना ओ बावरे
सांवरा सलोना मेरा रीझता
भोले भाले भक्तों के प्यार से

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%ad%e0%a4%be%e0%a4%b5-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%a6/